



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 117]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 6, 2005/श्रावण 15, 1927

No. 117]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 6, 2005/SRAVANA 15, 1927

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 26 जुलाई, 2005

सं. टीएएमपी/22/2005-एनएमपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण, एतद्द्वारा, 'आयरन ओर फाइन' के प्रहस्तन हेतु धूल-दबाने की मद में अतिरिक्त प्रभार के अनुमोदन के लिए न्यू मंगलौर पत्तन न्यास (एनएमपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव को संलग्न आदेशानुसार निपटाता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

प्रकरण सं. टीएएमपी/22/2005-एनएमपीटी

न्यू मंगलौर पत्तन न्यास (एनएमपीटी)

आवेदक

आदेश

(जुलाई, 2005 के 22वें दिन पारित)

यह प्रकरण 'आयरन ओर फाइन' के प्रहस्तन हेतु धूल दबाने की मद में अतिरिक्त प्रभार के अनुमोदन के लिए न्यू मंगलौर पत्तन न्यास (एनएमपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव से संबंधित है।

2.1. एनएमपीटी से प्राप्त किए गए प्रस्ताव को एक प्रशुल्क प्रकरण के रूप में पंजीकृत किया गया था और अंगीकृत सामान्य परामर्शी प्रक्रिया का अनुसरण करते हुए इस पर कार्यवाई की गई।

2.2. उपयोगकर्ता संगठनों से प्राप्त टिप्पणियों को प्रतिपूरक सूचना के रूप में एनएमपीटी को भेजा गया है। इस संबंध में एनएमपीटी ने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

3.1. जब इस प्रकरण को संयुक्त सुनवाई के लिए लिया जाना था, एनएमपीटी ने अपना प्रस्ताव वापिस लेने का और शीघ्र ही दाखिल किए जाने वाले सामान्य संशोधन प्रस्ताव में सम्मिलित करने का निर्णय किया।

3.2. तत्पश्चात्, एनएमपीटी ने अपने दरमान के सामान्य संशोधन के लिए एक प्रस्ताव दाखिल किया था। चूंकि यह प्रशुल्क मार्गदर्शियों के अनुरूप नहीं पाया गया था, एनएमपीटी को अपना प्रस्ताव फिर से तैयार करने की सलाह देता है। अपने सामान्य संशोधन प्रस्ताव में, एनएमपीटी ने, कोयला और अयस्क के प्रहस्तन हेतु पानी छिड़कने और पानी से भिगोने संबंधी प्रभार के रूप में एक नई प्रशुल्क मद सम्मिलित की है।

4. चूंकि यह प्रस्ताव सामान्य संशोधन प्रस्ताव का भाग है, इस प्रकरण पर अलग से कार्यवाई करना आवश्यक नहीं पाया गया है।

5. परिणामस्वरूप, और ऊपर दिए गए कारणों से और समग्र विचार-विमर्श के आधार पर यह प्राधिकरण इस प्रकरण को वापिस लिया गया मानकर बंद करता है।

अ. ल. बोंगिरवार, अध्यक्ष

[विज्ञापन /III/IV/143/05-असा.]

## TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

### NOTIFICATION

Mumbai, the 26th July, 2005

**No. TAMP/22/2005-NMPT.**— In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the proposal received from the New Mangalore Port Trust (NMPT) for approval of additional charges towards dust suppression for handling iron ore fine, as in the Order appended hereto.

## TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

### CASE NO. TAMP/22/2005-NMPT

New Mangalore Port Trust (NMPT)

...

Applicant

### ORDER

(Passed on this 22nd day of July, 2005)

This case relates to a proposal received from the New Mangalore Port Trust (NMPT) for approval of additional charges towards dust suppression for handling iron ore fine.

2.1. The proposal received from the NMPT was registered as a tariff case and processed following the usual consultation process adopted.

2.2. The comments received from the user organisations were also forwarded to the NMPT for feedback information. The NMPT has not furnished any response in this regard.

3.1. When this case was to be taken up for the joint hearing, the NMPT decided to withdraw its proposal and to include it in the general revision proposal to be filed shortly.

3.2. Subsequently, the NMPT had filed a proposal for general revision of its Scale of Rates. The NMPT is advised to recast its proposal since it was not found to be in line with the tariff guidelines. In its general revision proposal the NMPT has included a new tariff item for water sprinkling and dosing charges for handling coal and ores.

4. Since this proposal forms a part of general revision proposal, it is not found necessary to process this case separately.

5. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, this Authority decides to close this case as withdrawn.

A. L. BONGIRWAR, Chairman  
[ADVT/III/IV/143/05-Exty.]